

श्राधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- खण्ड 3--- उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्रतिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Ro 295

नई बिल्ली, मंगलबार, भ्राम्त 5, 1975/श्रावण 14, 1897

No. 295}

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 5, 1975/SRAVANA 14, 1897

उस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th August 1975

- S.O. 419(E).—Whereas the Mizo National Front (hereinafter referred to as the Front)—
 - (i) Which had openly declared as its objective the formation of an independent Mizoram comprising of the Union territory of Mizoram and the adjacent Mizo and Kuki inhabited areas of Manipur and Tripura, has been continuing its activities and policy to achieve the said objective and bring about secession of the said areas from the Union of India:
 - (ii) has set up an organisation and other bodies including an armed force the so called Mizo National Army, to achieve its objective aforesaid;
 - (iii) has, in furtherance of its objective, been employing the said armed force in attacking the Security Forces, the Civil Government and the citizens in the Union territory of Mizoram, Cachar District of Assam, Manipur and Tripura, and indulging in acts of arson looting, intimidation against the civilian population and recruitment of persons and collection of funds for its organisation;

(iv) has, to achieve its objective aforesaid, maintained contacts with foreign countries through its organisation and armed force with a view t securing financial and armed assistance and training for the so called Mizo National Army and has secured such assistance:

And Whereas the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the Front and other bodies set up by it, including its armed wing—the so called Mizo National Army are unlawful associations:

And Whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups of the so-called Mizc National Army on the Security Forces and on the civilian population, it is nece ssary to declare the Front and its other bodies including the so-called Mizo National Army, to be unlawful with immediate effect:

Now Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of sub section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the "Mizo National Front and the other bodies set up by it, including the so-called Mizo National Army" to be unlawful associations and in exercise of the powers conferred by the provise to sub-section (3) of that section, directs that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the official Gazette.

[No. F. III-14014/40/75-NE]M. L. KAMPANI, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

घधिसूचना

नई दिल्ली, 5 ग्रगस्त, 1975

भार थार 419 (भ्र).--मिजो नेपानल फन्ट (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'फ़न्ट' कहा गया है):---

- (i) जिसने खुले रूप से यह घोषित किया था कि इसका उद्देश्य एक ऐसे स्वतन्त्र मिजो-राम का निर्माण करना है, जिसमें मिजोराम संघ राज्यक्षेत्र ग्रीर मणिपुर तथा त्रिपुरा के, निकटवर्ती मिजो ग्रीर कूकी ग्राबादी वाले क्षेत्र समाविष्ट हों, उक्त लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ग्रीर भारत के संघ से उक्त क्षेत्रों को बिलग करने के लिए ग्रपनी गतिविधियां ग्रीर नीति जारी रख रहा है:
- (ii) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एक संगठन, तथा अन्य निकाय, जिनमें तथाकथित मिजो नेशनल श्रामीं—सशस्त्र बल भी सम्मिलित हैं, स्थापित कर चुका है:
- (iii) अपने उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए, मिजोराम संघ राज्य क्षेत्र, श्रसम के कछार जिले, मणिपुर तथा तिपुरा में सुरक्षा बलों, सिविल प्रणासन और नागरिकों पर आक्रमण करने में उक्त सगस्त्र वल को लगा रहा है और श्राण लगाने, लूट-पाट करने, श्रसैनिक श्राबादी को श्रभितस्त्र करने के कार्यों में लगा हुआ है तथा श्रपने संगठन के लिये व्यक्तियों की भर्ती और कोष का संचय कर रहा है:
- (iv) श्रपने पूर्वोक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए, श्रपने संगठन और सणस्त्र बल के माध्यम से तथाकथित मिजो नेशनल ग्रामी के लिये वित्तीय श्रोर सैनिक सहायता तथा

प्रशिक्षण प्राप्त करने की दृष्टि से विदेशों से सम्पर्क स्थापित कर चुका है, भौर वह ऐसी सहायता प्राप्त भी कर चुका है:

श्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि पूर्वोक्त कारणों से, फन्ट श्रीर उसके द्वारा स्थापित श्रन्य निकाय, जिनमें उसका सणस्त्र पक्ष---तथाकथित मिजो नेशनल श्रामी भी सम्मिलित है, विधि-विरुद्ध संगम हैं:

अरेर केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि सुरक्षा बलों और असैनिक आबादी पर तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी के सशस्त्र समूहों द्व.रा हिसा-कार्यों और आक्रमणों की पुनरावृत्ति के कारण, यह आवश्यक है कि फ़न्ट और उसके अन्य निकायों को, जिनमें तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी भी सम्मिलित है, तुरन्त विधि-विरुद्ध घोषत किया जाए:

अतः, धव, केन्द्रीय सरकार विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, "मिजो नेशनल फ़ण्ट और उसके द्वारा स्थापित अन्य निकायों को, जिनमें तथाकथित किजो नेशनल आर्मी भी सिम्मिलित है," विधि-विरुद्ध संगम घोषित करती है और उस धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, निदेश करती है कि यह अधिसूचना, किसी ऐसे आदेश के अधीन रहते हुए, जो उक्त अधिनियम की धारा (4) के अधीन किया जाए, राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[सं फा॰ III-14014/40/75-एन॰ ई॰] एम॰ एस॰ कस्पानी, संयुक्त सचिव ।